AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पूरी तरह विफल नहीं था मिशन चंद्रयान-2

लखनऊ। लविवि के भौतिकी विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र व भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद के निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज का शनिवार को विशिष्ट व्याख्यान हुआ। 'भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष मिशन' विषयक व्याख्यान में डॉ. अनिल भारद्वाज ने कहा, मिशन चंद्रयान-2 पूरी तरह से विफल नहीं था। चंद्रयान-2 में 11 प्रयोग थे जिन्होंने वैज्ञानिकों को चंद्रमा की मौलिक संरचना के बारे में पर्याप्त जानकारी इकट्ठा करने में मदद की है कि कैसे चंद्रमा पर गिरने वाली वस्तु गड्ढा बनाती है। उन्होंने मिशन चंद्रयान-1 की चर्चा करते हुए बताया कि 22 अक्तूबर 2008 को लॉन्च किया गया था और यह भारतीय ध्वज को चंद्रमा की सतह पर स्थापित करने में सफल रहा था। उन्होंने कई अन्य अंतरिक्ष मिशनों की भी चर्चा की। डॉ. अनिल को विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडेय व प्रो. पूनम टंडन डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने सम्मानित किया। पूर्व छात्र एसोसिएशन के सचिव प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने स्वागत किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष मिशन पर व्याख्यान

लविवि : पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू

विवि ने विभागों, कॉलेजों से मांगा सीटों का ब्योरा

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। एक साल पीछे चल रहे पीएचडी के सत्र को पटरी पर लाने के लिए लविवि प्रशासन ने सत्र 2021-22 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया आखिरी चरण में पहुंचने के साथ ही सत्र 2022-23 की प्रवेश प्रक्रिया को लेकर भी कवायद शुरू कर दी है।

रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने विवि के सभी विभागाध्यक्षों व कॉलेज प्राचार्यों को पत्र भेजकर विभाग व शिक्षकों के अनुसार खाली सीटों का ब्योरा मांगा है। उन्होंने कहा कि अध्यादेश के अनुसार सत्र 2022-23 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने के लिए सत्र 2021-22 में विज्ञापित सीटों को छोड़कर डीआरसी से संस्तुति कराकर 10 दिसंबर तक सीटों की जानकारी भेजी जाए। कॉलेजों को यह डाटा पांच दिसंबर तक देना होगा। इसमें उन सीटों को शामिल किया जा सकता है, जिनका विज्ञापन तो हुआ था लेकिन प्रवेश नहीं हुआ है।

छात्रवृत्ति आवेदन की हार्डकॉपी 29 तक जमा करें

लविवि के संबद्ध कॉलेजों को अपने विद्यार्थियों के दशमोत्तर छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के आवेदन की हॉर्डकॉपी 29 नवंबर तक विवि को उपलब्ध करानी होगी। रजिस्ट्रार संजय मेधावी ने कहा है कि इसके बाद विवि स्तर से मास्टर डाटा फारवर्ड करना संभव नहीं होगा।

पब्लिक वाई-फाई का प्रयोग करने से बचें

लखनऊ। लविवि के प्रबंधन विज्ञान संस्थान (आईएमएस) में शनिवार को साइबर सुरक्षा पर हुई कार्यशाला में आईओबी चेन्नई में सीआईएसओ एस राधाकृष्णन ने ऑनलाइन संबोधित करते हुए बैंकिंग में ईमेल घोटाला, क्यूआर कोड घोटाला, सर्च इंजन घोटाला, सोशल मीडिया घोटाला आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अपने प्रमाण किसी से साझा न करें। साथ ही पब्लिक वाई-फाई का प्रयोग करने से भी बचें। आईपीएस डॉ. अरविंद चतुर्वेदी ने साइबर सुरक्षा व साइबर हमलों के खिलाफ उपायों के बारे में बताया। उन्होंने इंटरनेट, इंटरनेट रजिस्ट्री, आईपी एड्रेस और साइबर खतरों को सुरक्षित करने में इसकी भूमिका के बारे में बताया। वहीं राहुल आनंद ने इलेक्ट्रॉनिक, पेपर व डिजिटल धोखाधड़ी की जांच के लिए साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता के बारे में बताया। ओएसडी आईएमएस प्रो. विनीता काचर, सौरव बनर्जी व डॉ. अमिताभ राय मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू और कॉलेजों में मना संविधान दिवस

राजधानी के कई कॉलेजों में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

LUCKNOW(26 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में शनिवार को संविधान दिवस का आयोजन किया गया. एलयू के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय की मूट कोर्ट कमेटी की ओर से हुए इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डा. लालता प्रसाद मिश्रा थे. उन्होंने कहा कि भारत वैदिक काल से ही लोकतंत्र की जड़ों को सींचता आया है. रामायण तथा महाभारत का जिक्र करते हुए बताया कि किस प्रकार भारत लोकतंत्र की जननी है. संविधान दिवस न केवल विधि के विद्यार्थी बल्कि भारत के आम नागरिक के जीवन में भी अहम स्थान रखता है. इस अवसर पर विधि संकाय के डीन प्रो. बंशीधर सिंह, मूट कोर्ट एसोसिएशन के सदस्य अंचल वर्मा, आर्ची उपाध्याय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे.

अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज

संविधान दिवस पर हुई संगोष्ठी में सदस्य विधान परिषद अंगद सिंह ने अपने विचार रखे. उन्होंने संविधान के गौरव को बढ़ाने के लिए संगठित प्रयासों की बात कर संविधान की शपथ भी दिलायी. विशिष्ट अतिथि डा. रामचंद्र, प्राचार्य डा. सुभाष चंद्र पांडेय ने भी अपने विचार रखे.

खुन-खुन जी गर्ल्स कॉलेज

संविधान दिवस पर प्राचार्या अंशु केडिया के निर्देशन में आनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई. प्रथम सत्र की अध्यक्षता कर रहे लवि के राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश दीक्षित ने कहा कि संविधान ने हमें प्रजा से नागरिक बनाया.

JAGRAN CITY PAGE III

साइबर सुरक्षा पर हुई कार्यशाला

LUCKNOW(26 NOV):लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान संस्थान में शनिवार को 'साइबर सुरक्षा'' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि एसपी विजिलेंस डा. अरविंद चतुर्वेदी ने साइबर सुरक्षा और साइबर हमलों के खिलाफ उठाए जाने वाले निवारक उपायों और इंटरनेट, आइपी एड्रेस व साइबर खतरों को सुरक्षित करने में इसकी भूमिका के बार में बताया. कार्यशाला में आनलाइन माध्यम से जुड़े इंडियन ओवरसीज बैंक के चीफ इंफार्मेशन आफीसर एस. राधाकृष्णन ने बैंकिंग में ईमेल घोटाला, क्यूआर कोड घोटाला जैसी बैंकिंग सुरक्षा सुविधाओं के बारे में बताया.

i-NEXT PAGE 4

10 तक देनी है पीएचडी की सीटों की डिटेल

सत्र 2022-23 के पीएचडी दाखिले की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी

LUCKNOW(26 NOV): लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी के शैक्षिक सत्र को पटरी पर लाने की तैयारी शुरू कर दी है. सत्र 2021-22 की प्रक्रिया अंतिम दौर में है. ऐसे में सत्र 2022-23 के पीएचडी दाखिले के आवेदन से पहले सभी विभागों को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) के माध्यम से 10 दिसंबर तक सीटों का विवरण भेजने के लिए कहा गया है.

जारी किया गया है पत्र

इस संबंध में शनिवार को कुलसचिव संजय मेधावी ने विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर दिया. कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि विभागीय शोध समिति के माध्यम से सभी विभागों को 2022-23 के पीएचडी कोर्स में दाखिले के लिए पूर्णकालिक और अंशकालिक सीटों का विवरण देना होगा. इसमें सत्र 2021-22 की विज्ञापित सीटों को शामिल नहीं करना है. हालांकि प्रवेश के लिए जारी होने वाली इन विज्ञापित सीटों में इन खाली सीटों को 2022-23 के लिए शामिल किया जाएगा. सारा विवरण निर्धारित प्रारूप पर देने के लिए कहा गया है. गौरतलब है कि अभी सत्र 2021-22 सत्र के पीएचडी दाखिले चल रहे हैं. इनमें भी काफी सीटें खाली हैं, जिन पर मौका दिया गया है.

AMRIT VICHAR PAGE 4

एलयू ने पीएचडी सीटों का ब्योरा मांगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में कदम उठाया है। कुलसचिव संजय मेधावी ने सभी विभागाध्यक्षों और सम्बद्ध कॉलेजों के प्राचार्यो से पीएचडी की सीटों का विवरण विभागीय शोध समिति से संस्तुति कराकर मांगा है। कॉलेजों को पीएचडी की खाली सीटों का विवरण 10 दिसम्बर तक देना होगा।

पब्लिक वाई-फाई का प्रयोग न करें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान संस्थान की ओर से साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईपीएस डॉ अरविंद चतुर्वेदी ने साइबर सुरक्षा और साइबर हमलों के खिलाफ उपाय बताए। डॉ. अरविंद चतुर्वेदी ने इंटरनेट, इंटरनेट रजिस्टरी, आईपी एड्रेस और साइबर खतरों के बारे में बताया।

वहीं आईओबी के सीआईएसओ राधाकृष्णन ने पब्लिक वाई-फाई का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी।

चंद्रयान के बारे में दी गई जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 102वें स्थापना दिवस के मौके पर शनिवार को पूर्व छात्र एसोसिएशन की ओर से कार्यशाला आयोजित की गई। मालवीय भवन में भौतिकी विभाग के पूर्व छात्र व अहमदाबाद विवि के डॉ. अनिल भारद्वाज ने भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष मिशन पर कई जानकारियां साझा कीं। डॉ. अनिल भारद्वाज ने चंद्रयान-1 मिशन पर चर्चा की।

चंद्रयान-2 वास्तव में विफल नहीं था : प्रो. अनिल भारद्वाज

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छा लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और वर्तमान में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद के निदेशक डा. अनिल भारद्वाज शनिवार को मालवीय सभागार में छात्र-छात्राओं से रूबरू हुए। 'भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष मिशन' पर आयोजित व्याख्यान में उन्होंने कई प्रमुख जानकारियां साझा कीं। बताया कि चंद्रयान-2 मिशन, जिसे लैंडिंग में समस्या के कारण पूरी तरह विफल माना गया था, वास्तव में विफल नहीं था। चंद्रयान -2 में वास्तव में 11 प्रयोग हुए थे, जिससे वैज्ञानिकों को चंद्रमा की मौलिक संरचना के बारे में पर्याप्त जानकारी इकट्ठा करने में मदद मिली। यह समझने में आसानी हुई कि कैसे चंद्रमा पर गिरने वाली वस्तु गड्ढा बनाती है।

पूर्व छात्र एसोसिएशन की ओर से 102वें स्थापना दिवस पर हुए विशिष्ट व्याख्यान में डा. अनिल भारद्वाज ने चंद्रयान-1 मिशन पर चर्चा की। बताया कि चंद्रयान-1, 11 प्रयोग के साथ 22 अक्टूबर, 2008 को लांच किया गया था और यह भारतीय ध्वज को चंद्रमा की सतह पर स्थापित करने में सफल रहा था। इसने चंद्रमा पर पानी के अस्तित्व और दिलचस्प घटनाओं जैसे चंद्रमा के साथ सौर हवा का इंटरेक्शन, चंद्र मैग्मा महासागर परिकल्पना को मान्य करवाना आदि संभव किया।

उन्होंने बताया कि मार्स आर्बिटर मिशन ने इसरो को मंगल ग्रह के चारों ओर मिशन लगाने वाली दुनिया की चौथी एजेंसी बना दिया। मंगल के ऊपरी वातावरण में आक्सीजन के प्रभुत्व के बारे में एक विचार दिया। डा. अनिल ने चंद्रयान -3, आदित्य -1 जैसे भविष्य के मिशनों के उद्देश्यों और दो एक्सो-ग्रहों की खोज के विवरण पर भी बात की। इस अवसर पर प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, प्रो. एनके पांडेय, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन भी मौजूद रहीं।

साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान संस्थान में शनिवार को 'साइबर सुरक्षा' पर कार्यशाला हुई। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि एसपी विजिलेंस डा. अरविंद चतुर्वेदी ने साइबर सुरक्षा और साइबर हमलों के खिलाफ उठाए जाने वाले निवारक उपायों और इंटरनेट, आइपी एड्रेस व साइबर खतरों को सुरक्षित करने में इसकी भूमिका के बार में बताया। इंडियन ओवरसीज बैंक के चीफ इंफार्मेशन आफीसर एस. राधाकृष्णन ने बैंकिंग में ईमेल घोटाला, क्यूआर कोड घोटाला जैसी बैंकिंग सुरक्षा सुविधाओं के बारे में बताया। आइएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर, प्रबंधन छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। (जासं)

10 तक देना होगा विवरण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी के शैक्षिक सत्र को पटरी पर लाने की तैयारी शुरू कर दी है। सत्र 2021-22 की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। ऐसे में सत्र 2022-23 के पीएचडी दाखिले के आवेदन से पहले सभी विभागों को विभागीय शोध समिति (डीआरसी) के माध्यम से 10 दिसंबर तक सीटों का विवरण भेजने के लिए कहा गया है। शनिवार को कुलसचिव संजय मेधावी ने विभागाध्यक्षों को पत्र जारी कर दिया। (जासं)

महाविद्यालयों को दिया समय

लखनऊ : लवि ने पीएचडी प्रवेश शुरू करने से पहले डिग्री कालेजों से उनके अर्ह शिक्षकों एवं उनके अंतर्गत विषयवार, विभागवार सीटों का विवरण पांच दिसंबर तक मांगा है। यह विवरण विश्वविद्यालय परिसर के संबंधित विभागाध्यक्ष के पास भेजना है। कुलसचिव ने लखनऊ, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई और रायबरेली के कालेजों के प्राचार्यों को पत्र भेज दिया है। कालेजों को यह विवरण 2021-22 में विज्ञापित सीटों को छोड़कर देना होगा। (जासं)

TARUN MITRA PAGES 2 & 12

विधि संकाय की मूट कोर्ट कमेटी ने मनाया संविधान दिवस

लखनऊ, 26 नवाम्बर (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय की मूट कोर्ट कमेटी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य प्रसंग भारतः लोकतंत्र की जननी रहा। इस मौके पर डा. लालता प्रसाद मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता, इलाहाबाद हाईकोर्ट, बतौर मुख्य अतिथि शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन लखनऊ यूनिवर्सिटी मूट कोर्ट एसोसिएशन के सदस्य अंचल वर्मा तथा आर्ची उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम के शुरूआत में लखनऊ यूनिवर्सिटी मूट कोर्ट एसोसिएशन के स्टूडेंट कन्वीनर हेमंत पांडेय ने कार्यक्रम में मौजूद श्रोताओं का अभिवादन किया तथा प्रोग्राम के लक्ष्य के बारे में बताया। इस मौके पर विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो.वंशीधर सिंह ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का स्वागत तथा अभिनंदन किया।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार लखनऊ विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि का सदैव आभारी है। इसके साथ उन्होंने भारत के लोकतान्त्रिक मूल्यों के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार भारत प्राचीनकाल से अपने प्रशासन में लोकतान्त्रिक मूल्यों को समेटे हुए है। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की आभा को बढ़ाते हुए वहां उपस्थित सभी जन को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि भारत देश वैदिककाल से ही लोकतंत्र की जड़ों को सींचता आया है।

उन्होंने रामायण तथा महाभारत का भी जिक्र करते हुए बताया कि किस प्रकार भारत लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने वहां उपस्थित सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज के विद्यार्थी कल के विधि निमार्ता है। संविधान दिवस न केवल विधि के विद्यार्थी बल्कि भारत के आम नागरिक के जीवन में भी अहम स्थान रखता है। यदि आज इस सभागार में हम सभी शांतिपूर्ण तरीके से एकत्रित हुए हैं तो वह हमारे संविधान का ही फल है।

भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष मिशन विषय पर व्याख्यान में अंतरिक्ष मिशनों पर की चर्चा

लखनऊ, 26 नवाम्बर (तरुणमित्र)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में भौतिकी विभाग के पूर्व छात्र डॉ.अनिल भारद्वाज, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के निदेशक ने लविवि के मालवीय सभागार में 102वें फाउंडेशन दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एसोसिएशन द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व छात्र एसोसिएशन के सचिव प्रो.सुधीर मेहरोत्रा के स्वागत भाषण से हुई। भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष मिशन विषय पर अपने व्याख्यान में डॉ.अनिल भारद्वाज ने आज तक देश द्वारा किए गए ग्रहों और अंतरिक्ष मिशनों पर विस्तार से चर्चा की।

पूरी तरह से विफल नहीं था चंद्रयान-2

अमृत विचार संवाददाता

लविवि में चंद्रयान पर व्याख्यान देते डॉ. भारद्वाज। अमृत विचार

लखनऊ। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (अहमदाबाद) के निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज ने कहा कि मिशन चंद्रयान-2 को भले लैंडिंग में समस्या के कारण विफल माना गया पर वास्तव में वह अभियान विफल नहीं था। चंद्रयान -2 में वास्तव में 11 प्रयोग थे जिन्होंने वैज्ञानिकों को चंद्रमा की मौलिक संरचना के बारे में पर्याप्त जानकारी इकट्ठा करने में मदद की। इससे यह समझने में मदद मिली कि है कि कैसे चंद्रमा पर गिरने वाली वस्तु गड्ढा बनाती है।

'भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष मिशन' पर व्याख्यान के दौरान डॉ. भारद्वाज ने कहा कि चंद्रयान-1 22 अक्टूबर 2008 को लांच किया गया था और यह भारतीय ध्वज को चंद्रमा की सतह पर स्थापित करने में सफल रहा था। इसने चंद्रमा पर पानी के अस्तित्व और दिलचस्प घटनाओं जैसे चंद्रमा के साथ सौर हवा का इंटरेक्शन, और चंद्र मैग्मा महासागर परिकल्पना को मान्य करवाना आदि संभव किया।

साइबर सुरक्षा समय की आवश्यकता

अमृत विचार संवाददाता

आयोजन

- **साइबर सुरक्षा मुद्दे और साइबर अपराध को रोकने को लेकर कार्यशाला**

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान संस्थान में 'साइबर सुरक्षा' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व प्रबंधन विज्ञान संस्थान के ओएसडी प्रो. विनीता काचर मौजूद रहे। वहीं छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लेकर साइबर क्राइम की जानकारियां हासिल की।

शनिवार को आयोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. विनीता काचर ने बताया कि साइबर सुरक्षा समय की आवश्यकता और साइबर अपराध के खिलाफ सुरक्षा के लिए जागरूकता जरूरी है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आईपीएस डॉ. अरविंद चतुर्वेदी ने साइबर सुरक्षा और साइबर हमलों के खिलाफ उपायों और इंटरनेट, आइपी एड्रेस व साइबर खतरों को सुरक्षित करने में इसकी भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने इंटरनेट, इंटरनेट रजिस्टरी, आईपी एड्रेस और साइबर खतरों को सुरक्षित करने में इसकी भूमिका के बारे में बताया।

चेन्नई आईओबी के सीआईएसओ एस. राधाकृष्णन ने कार्यालय से ऑनलाइन जुड़ते हुए बैंकिंग में ईमेल घोटाला, क्यूआर कोड घोटाला, सर्च इंजन घोटाला, सोशल मीडिया घोटाला जैसी बैंकिंग सुरक्षा सुविधाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अपनी प्रमाण किसी से साझा न करें और बहुकारक प्रमाणीकरण का उपयोग करें। उन्होंने पब्लिक वाई-फाई का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी। रैंसमवेयर से बचें जो अज्ञात वेबसाइटें हैं। एचडीएफसी क्रेडिट इंटेलिजेंस एंड कंट्रोल के हेड राहुल आनंद ने इलेक्ट्रॉनिक धोखाधड़ी, पेपर धोखाधड़ी, डिजिटल धोखाधड़ी की जांच के लिए साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता के बारे में बताया।

कार्यक्रम में प्रबंधन विज्ञान संस्थान में विभिन्न अध्ययनों में प्रबंधन छात्रों, बैंक प्रबंधकों, कॉर्पोरेट लोगों, शोधकर्ता, शिक्षाविद ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक सौरव बनर्जी व डॉ. अमिताभ राय ने इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया।